BSES

हाउसिंग सोसाइटीज के बेसमेंट से जल्द हटेंगे ऑयल आधारित ट्रांसफॉर्मर

- 100 करोड़ का प्रोजेक्ट

नई दिल्लीः 13 दिसंबर, 2010। बीएसईएस इलाकों में जिन हाउसिंग सोसाइटीज और बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स के *बेसमेंट* में बिजली के ऑयल आधारित ट्रांसफॉर्मर लगे हुए हैं, उन्हें जल्द ही हटा लिया जाएगा, और उनकी जगह ड्राई ट्रांसफॉर्मर लगा दिए जाएंगे। इस पर करीब 112 करोड़ रूपये (बीआरपीएल 59 करोड़, बीवाईपीएल 53 करोड़) की लागत आएगी। बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने ऐसी सोसाइटीज व कॉम्प्लेक्स को चिह्नित कर लिया है, और जल्द ही ऑयल आधारित ट्रांसफॉर्मर हटाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। बीएसईएस इलाके में ऐसे करीब 700 ऑयल बेस्ड ट्रांसफॉर्मर (403 बीआरपीएल और 335 बीवाईपीएल) हैं, जो एक साल के भीतर हटा लिए जाएंगे। इसके लिए डीईआरसी से हरी झंडी मिल चुकी है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी तकनीक वाले इन ड्राई ट्रांसफॉर्मरों ने पश्चिमी देशों में काफी बेहतर परिणाम दिए हैं। विकसित देशों में उपयोग किए जाने वाले ये ड्राई ट्रांसफॉर्मर, अब बीएसईएस इलाकों की उन सोसाइटीज में भी दिखेंगे, जहां बेसमेंट में ऑयल आधारित ट्रांसफॉर्मर लगे हैं। घरों/ भवनों के बिल्कुल नीचे ऑयल–ट्रांसफॉर्मर होने से, वहां के लोगों के लिए ये एक बड़ा खतरा रहे हैं। क्योंकि ऑयल आधारित ट्रांसफॉर्मर में यदि आग लगती है, तो उससे जान–माल का ज्यादा नुकसान हो सकता है। गौरतलब है कि इन ट्रांसफॉर्मर में तेल होता है, जो ज्वलनशील होता है। इसके अलावा, तेल जलने से आसपास का पर्यावरण भी दूषित होता है।

अब नई तकनीक के ड्राई टाइप ट्रांसफॉर्मर के आ जाने से बीएसईएस के साथ–साथ ऐसी हाउसिंग सोसाइटीज/ बिल्डिंग कॉम्प्लेक्सेज के लोगों को भी बड़ी राहत मिलने जा रही है। हालांकि ड्राई ट्रांसफॉर्मर, परंपरागत ऑयल ट्रांसफॉर्मरों के मुकाबले थोड़े महंगे हैं, लेकिन निवासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए करीब 700 ऑयल ट्रांसफॉर्मर हटाकर, उनकी जगह ड्राई ट्रांसफॉर्मर लगाए जाएंगे।

<u>ड्राई ट्रांसफॉर्मर के क्या हैं फायदेः</u> सबसे बड़ा फायदा तो यह है कि इसमें तेल नहीं होता, जिससे आग लगने का खतरा नहीं रहेगा। दूसरा बड़ा लाभ है कि यह मॉइश्चर प्रूफ यानी नमी रहित है, जिससे मॉनसून के दौरान भी बिजली गुल होने की संभवना नहीं रहेगी। पश्चिमी देशों वाली नई तकनीक है, तो बार–बार ट्रांसफॉर्मर के मेंटेनेंस की जरूरत नहीं पड़ेगी। जाहिर है कि इससे कंपनी के खर्चे कम होंगे, और उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली भी मिलती रहेगी। ऑयल–ट्रांसफॉर्मर के मुकाबले, ड्राई ट्रांसफॉर्मर की लाइफ बहुत ज्यादा है। ये एटीएंडसी घाटे को कम करने में भी सहायक होंगे। ड्राई टाइप ट्रांसफॉर्मर से आवाज कम आती है। इससे ध्वनि प्रदूषण कम होगा।

<u>किन सोसाइटीज/ बिल्डिंग कॉम्प्लेक्सेज में लगेंगे ड्राई ट्रांसफॉर्मरः</u> पटपड़गंज, मयूर विहार 1, मयूर विहार 2, बहादुरशाह जफर मार्ग, वसुंधरा एन्कलेव, भीकाजी कामा प्लेस, पुष्प विहार, कालकाजी, सोम विहार आदि इलाकों में हैं ज्यादातर हाउसिग सोसाइटीज और कमर्शल बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स। यहां लगेंगे ड्राई ट्रांसफॉर्मर।

बीआरपीएल के सीईओ श्री गोपाल सक्सेना का कहना है– हमारी यह पहल एक बार फिर इस बात को दर्शाती है कि हम अपने उपभोक्ताओं के प्रति कितने संवेदनशील हैं। इन सोसाइटीज व बिल्डिंग कॉम्प्लेक्सेज में ड्राई ट्रांसफॉर्मर लगाने के लिए हमें कैपिटल एक्सपेंडिचर प्रोग्राम के तहत, डीईआरसी से हरी झंडी मिल चुकी है। इसके लिए संबंधित सोसाइटीज को इसकी लागत को बोझ नहीं उठाना पड़ेगा। हालांकि ऑयल ट्रांसफॉर्मर के मुकाबले ड्राई ट्रांसफॉर्मर करीब 25 प्रतिशत महंगे हैं, लेकिन लंबे वक्त में इन अत्याधुनिक ट्रांसफॉर्मर की परिचालन लागत काफी कम आएगी।

बीवाईपीएल सीईओ श्री रमेश नारायणन ने बताया– देश के किसी भी डिस्कॉम द्वारा की जाने वाली अपनी तरह की एक अनोखी पहल है है। इस पहल की पूरी लागत बीआरपीएल और बीवाईपीएल वहन करेंगी। उपभोक्ताओं की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए हम सोसाइटीज और कमर्शल बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स के साथ बात कर ये ट्रांसफॉर्मर लगाएंगे।
दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ — चंद्र पी कामत

कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870/ 9312007822 — कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642/ 9350130304